ख) पूर्ण रोजगार की प्राप्ति तथा इसे बनाये रखना - आर्थिक उद्देश्य के अन्तर्गत आजकल पूर्ण रोजगार की प्राप्ति एवं इसे बनाये रखने (Achievement and maintenance of full employment) पर भी पूरा जोर दिया जा रहा है। आर्थिक नियोजन के उद्देश्य के रूप में पूर्ण रोजगार की चर्चा करते हुए प्रो. ज्वीग (Zweig) ने ठीक ही कहा है कि "The Provision of a Wholetime employment appears either as a primary objective of Planning or a necessary by product of Planning of whatever kind primarily undertaken for other reasons. Full employment is inherent in the nature of a Planned economy. We know of no Planned economy that doesn't ensure full employment or doesn't at least make a close approach to doing so.

ग) राष्ट्रीय आय में वृद्धि (Increase in the National Income) - योजनाकरण का एक प्रमुख उद्देश्य देश के आर्थिक साधनों के समुचित उपयोग द्वारा देश की राष्ट्रीय आय में पर्याप्त वृद्धि करना भी है। भारत की सभी पंचवर्षीय योजनाओं में समान रूप से यह उद्देश्य वर्तमान रहा है।

घ) कृषि का विकास (Development of Agriculture) - आर्थिक नियोजन के अन्तर्गत उद्योग-धन्धों के विकास के साथ-साथ कृषि के विकास को भी महत्वपूर्ण स्थान दिया जाता है।

च) आर्थिक विषमताओं का निवारण - आर्थिक नियोजन के आर्थिक विषमताओं का निवारण भी एक प्रधान उद्देश्य है। अर्द्ध-विकसित देशों में धनी तथा निर्धन के बीच की खाई बहुत ही होता है।

1. राजनीतिक उद्देश्य (POLITICAL OBJECTIVES)

क) सुरक्षा – देश की सुरक्षा को प्रधान स्थान दिया जाता है। उदाहरण के लिए, द्वितीय महायुद्ध के पूर्व रूस आदि देशों में नियोजन का प्रधान उद्देश्य देश की सुरक्षा ही था। सोवियत रूस की प्रथम योजना 1928-32 के निम्नलिखित प्रधान उद्देश्य थे – पहला उद्देश्य देश के उत्पादक साधनों का अधिकाधिक संभव विकास तथा दूसरा इसकी स्वतन्त्रता को सुदृढ़ बनाये रखने की शक्ति को बढ़ाना।

ख) आंतरिक शान्ति – सुरक्षा के साथ-साथ आर्थिक नियोजन के अन्तर्गत आन्तरिक शान्ति को बनाये रखने पर भी पर्याप्त जोर दिया जा रहा है। वास्तव में, आजकल शान्ति के लिए नियोजन (Planning for Peace) पर सुरक्षा के उद्देश्य से भी बहुत अधिक जोर दिया जा रहा है। कारण स्पष्ट है, आर्थिक विकास के लिए शान्ति एक अति आवश्यक शर्त भी है।

2. आर्थिक उद्देश्य (ECONOMIC OBJECTIVES)

क) द्रुतगति औद्योगीकरण (Rapid industrialisation) – पिछड़े देशों में, आर्थिक नियोजन का प्रधान उद्देश्य आर्थिक विकास के लिए द्रुतगति से औद्योगीकरण होता है। जिसके फलस्वरूप आज भी भारत सरकार या राज्य सरकार कार्य रूप तैयार करती है, तो आर्थिक विकास को मद्दे नजर रखते हुए द्रुतगति से औद्योगीकरण को प्राथमिकता दी जाती है।

DATE :

(Economic Planning is a grand Panacea of our age. Economic Planning is the only means of realising the ideals of a welfare state.)
इस प्रकार आर्थिक नियोजन आधुनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग बन गया है।

साधारणतया, भिन्न-भिन्न देशों में आर्थिक नियोजन के उद्देश्यों में विभिन्नता पायी जाती है। फिर भी, पिछले लगभग पचास वर्षों में भिन्न-भिन्न आयोजित अर्थ-व्यवस्थाओं द्वारा मोटे तौर पर [redacted] निम्नलिखित उद्देश्य अपनाये गये हैं—

1. राजनीतिक उद्देश्य :-
   क) सुरक्षा
   ख) आन्तरिक शान्ति

2. आर्थिक उद्देश्य :-
   क) पिछड़े क्षेत्रों का आर्थिक विकास तथा तीव्र औद्योगीकरण
   ख) पूर्ण रोजगार
   ग) विभिन्न क्षेत्रों का संतुलित विकास
   घ) युद्धोत्तर पुनर्निर्माण
   च) आर्थिक सुरक्षा
   छ) रहन-सहन के स्तर में सुधार

3. सामाजिक एवं नैतिक उद्देश्य :-
   क) सामाजिक सुरक्षा
   ख) सामाजिक समानता

⇒ आर्थिक नियोजन सामान्यतया एक निश्चित उद्देश्य की पूर्ति के लिए ही अपनाया जाता है। इसका प्रधान उद्देश्य अधिकतम सामाजिक कल्याण की प्राप्ति के लिए देश के आर्थिक साधनों का एक पूर्व निश्चित योजना के आधार पर प्रयोग करना होता है।

प्रो. रॉबिन्स (Robbins) ने इस सम्बन्ध में ठीक ही कहा है कि "सही शब्दों में, सम्पूर्ण आर्थिक जीवन में नियोजन की आवश्यकता होती है। योजना तैयार करना किसी उद्देश्य से कार्य करना या चुनाव करना है और चुनाव ही आर्थिक क्रियाओं का निचोड़ है।" (Strictly speaking, all economic life involves planning.... to Plan is to act with a Promise, a Purpose to choose and choice is the essence of economic activity.)

दूसरी जगह पर प्रो. रॉबिन्स ने योजनाकरण के सम्बन्ध में कहा है कि "आर्थिक नियोजन आज के युग की एक अचूक औषधि है। कल्याणकारी राज्य के आदर्श को प्राप्त करने का एकमात्र साधन आर्थिक नियोजन ही है।"